भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 4040

उत्तर देने की तारीख : 28.03.2022

मदरसों का पाठ्यक्रम

4040. श्री रामदास तडस:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या मदरसों का पाठ्यक्रम पुराना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या मदरसों में आधुनिक शिक्षा प्रदान करने के लिए हिंदी और अंग्रेजी भाषाओं के साथ गणित, विज्ञान के अध्ययन को पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है अथवा शामिल किए जाने का प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ग) क्या सरकार ने राज्य सरकारों को राज्य मदरसा बोर्डों द्वारा मान्यताप्राप्त मदरसों के प्रमाणपत्रों को सीबीएसई प्रमाणपत्रों के समान स्वीकार करने का निदेश दिया है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्रीमती अन्नपूर्णा देवी)

(क) और (ख) : शिक्षा मंत्रालय मदरसों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए एक योजना (एसपीक्यूईएम) कार्यान्वित कर रहा था। एसपीक्यूईएम को अब वित्तीय वर्ष 2021-22 अर्थात 01.04.2021 से अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय को स्थानांतरित कर दिया गया है। एसपीक्यूईएम एक स्वैच्छिक और मांग आधारित योजना थी। एसपीक्यूईएम का उद्देश्य मदरसों और मकतबों जैसे पारंपरिक संस्थानों को अधिकतम तीन शिक्षक और अधिगम शिक्षण सामग्री प्रदान करके अपने पाठ्यक्रम में विज्ञान, गणित, सामाजिक अध्ययन, हिंदी और अंग्रेजी जैसे विषयों के माध्यम से आधुनिक शिक्षा शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु वित्तीय सहायता प्रदान करना था। इसके अलावा, संबंधित राज्यों में मदरसा शिक्षा बोर्ड से

संबद्ध मदरसे संबंधित राज्यों के स्कूल शिक्षा पाठ्यक्रम का पालन करते हैं। यदि राज्य स्कूल शिक्षा में एनसीईआरटी पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकों का अनुसरण करते हैं, तो मदरसे भी एनसीईआरटी पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकों का अनुसरण करते हैं। शिक्षा का माध्यम भी संबंधित राज्यों पर निर्भर करता है।

(ग) एसपीक्यूईएम के दिशानिर्देशों के अनुसार, केवल उन मदरसों को वित्तीय सहायता प्रदान की गई थी जो किसी भी मान्यता प्राप्त स्कूल शिक्षा बोर्ड अर्थात राज्य स्कूल शिक्षा बोर्ड, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) आदि से संबद्ध हैं। मदरसों को योजना के तहत किसी भी प्रकार की सहायता प्राप्त करने के लिए राज्य सरकार से स्कूलों के रूप में मान्यता प्राप्त करनी होगी। एसपीक्यूईएम ने मदरसों के छात्रों को विशेषकर माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक स्तर के लिए राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली के बराबर शिक्षा प्राप्त करने के अवसर प्रदान किए। यह इन संस्थानों में पढ़ने वाले बच्चों को अधिगम के उच्च स्तर तक पहुँचने में सक्षम बनाता है और उनके लिए नौकरी के बेहतर अवसर भी प्रदान करता है।

*****